सं. म्रो विश्वितातो/113-83'2355 - -ब्रिहिहिराणा के राज्यसाय की राप है कि मैं. हरियाणा राज्य परिवहत जीन्द, के श्रीमक श्री वजनीर सिंह चालक तथा उसके प्रयन्त्रकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाण। के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रिष्ठित्यम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 9641—1—श्रम/70/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी श्रिष्ठतूचना सं. 3864—ए.एस.श्रो. (ई) श्रम—70/13648, दिनांक 8 मैंई, 1970 द्वारा उक्त श्रिष्ठ नियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिणंय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के वीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :——

क्या श्री बलबीर सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

एम० सी० गुप्ता, '
ग्रायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

श्रम विभाग

श्रादेश

## दिनांक 13 जनवरी, 1984

सं. ग्री,वि./एफ.डी./299-83/2501.-चूंकि राज्यपाल, ह्रियाणा की राय है कि मै० इम्पीरियल कार्वत एण्ड सैरामिनस, तट नम्बर 175, सैक्टर-24 फरीदाबाद, के श्रमिश श्रीमित सीतिदेई तथी उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई किसमें का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उकत श्रिधिनियम की धारा 7(क) के श्रिधीन श्रीधोगिक प्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदावाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निदिष्ट करते हैं :---

क्या श्रीमित सौनदेई की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है ?

सं.श्रो.वि./एफ.डी./294-83/2508. ्रै—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै. न्यू कास्टॉटंग प्नाट नं० 363., केंदर-24, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री सुरेन्द्र प्रसाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौद्योगिक विवाद है ;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं,

इस लिये भव, भौद्यागिक विवाद भ्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा, के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त भ्रधिनियम की धारा 7(क) के भ्रधीन भौद्योगिक भ्रधिकरण, हरियाणा फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट निवाद ग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के भध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:

क्या श्री सुरेन्द्रप्रसाद की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यद्धिनहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?